राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 ■ अंक 28 ■ मुंबई : बुधवार 20 मई 2026 से 26 मई 2026 ■ संपादक : फैसल शेख ■ पृष्ठ : 8 ■ कीमत : 03 रुपये

'जेल में हैं तो क्या हुआ, कैदी से नहीं छीना जा सकता है शिक्षा का अधिकार'; बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा आदेश...

महाराष्ट्र : बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने कहा है कि किसी अंडरट्रायल कैदी को सिर्फ जेल में होने की वजह से शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने नागपुर सेंट्रल जेल में बंद 69 वर्षीय बंदी पुरुषोत्तम कुमार सिन्हा को एलएलबी परीक्षा देने की अनुमति देने का आदेश दिया है।

अदालत ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि सिन्हा को परीक्षा केंद्र तक सुरक्षा के साथ ले जाया जाए और इसके लिए उनसे कोई एस्कॉर्ट फीस न वसूली जाए। न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी फाल्के और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता की खंडपीठ ने बीआरए लॉ कॉलेज को भी निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान सिन्हा के लिए अलग कमरा और अलग पर्यवेक्षक (इनविजिलेटर) की व्यवस्था की जाए।

याचिका में क्या कहा गया?

अदालत ने परीक्षा के दौरान सुरक्षा घेरा बनाए रखने की भी

अनुमति दी। याचिका के अनुसार, पुरुषोत्तम कुमार सिन्हा ने 2022 में एमएच-सीईटी के जरिए तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स में दाखिला लिया था। उन्होंने पहले सेमेस्टर की परीक्षा भी पूरी कर ली थी, लेकिन बाद में कोराडी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में उनकी गिरफ्तारी हो गई।

सिन्हा ने हाई कोर्ट में कहा कि भारी एस्कॉर्ट खर्च की वजह से वह पहले परीक्षा नहीं दे पाए थे। उन्होंने दलील दी कि यह स्थिति उनके शिक्षा के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। याचिका में उन्होंने 2026 की गर्मी की एलएलबी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मांगी थी।

हाई कोर्ट ने सरकार की दलील ठुकराई

सरकारी पक्ष की ओर से लोक अभियोजक एसएस हुल्के ने अदालत को बताया कि सिन्हा परीक्षा देने के लिए अस्थायी जमानत मांग सकते थे। हालांकि हाई कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने साफ कहा कि शिक्षा का अधिकार महत्वपूर्ण है और केवल जेल में होने की वजह से किसी अंडरट्रायल को उससे वंचित नहीं किया जा सकता।

संजय राउत का बड़ा बयान, 'जिनको लगता है कि बहुत महंगाई है, घर कैसे चलेगा वो...'

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर बीजेपी और केंद्र सरकार को घेरा है. मंगलवार (19 मई) को उन्होंने कहा कि देश का रुपया तो लुढ़क गया है. पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ने पर उन्होंने कहा कि इसमें नई बात क्या है? ये तो होने वाला था. जिसको महंगाई मार रही है और अगर ये बीजेपी के लोग हैं तो जय श्री राम बोले, दस रुपया कम हो जाएगा. यही तो बीजेपी का मंत्र है. जय श्री राम बोलें सब कुछ मिल जाएगा.

उद्धव गुट के नेता ने तंज कसते हुए कहा, ''जिनको लगता है कि बहुत महंगाई है, घर कैसे चलेगा, चूल्हा कैसे जलेगा? बीजेपी को वोट दिया है तो आराम से सब लोग एक साथ बैठो और मोदी जी के घर के सामने या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर के सामने जाकर 'जय श्री राम' के नारे लगाइए. यही महंगाई को कम करने का बीजेपी का तंत्र और मंत्र है.''

अब महंगाई की मार राष्ट्रभक्ति है- संजय राउत

उन्होंने आगे कहा, ''हमारे जैसे लोग हैं, हम संघर्ष करेंगे और लड़ेंगे. मोर्चा निकालेंगे, आंदोलन करेंगे, लड़ते रहेंगे. एक जमाना था जब जनता महंगाई के खिलाफ सड़क पर उतरती थी, खासकर बीजेपी. सुषमा स्वराज जी, स्मृति ईरानी जी, आते थे न सड़क पर सिलेंडर और प्याज लेकर. अब कहां गए वो लोग. अब महंगाई की मार राष्ट्रभक्ति है, आपको सहन करना चाहिए.''

रूस से भारत के तेल खरीदने पर क्या बोले राउत?

रूस से भारत के तेल खरीदने के मुद्दे पर संजय राउत ने कहा, ''ये अमेरिका की बहुत बड़ी मेहरबानी है. मैं हाथ जोड़कर उनको प्रणाम करता हूं. मेहरबानी है आपकी हमारे देश पर.''

मुंबई में तरबूज से जुड़ी चार मौतों की गुत्थी उलझी, नमक की दोबारा होगी फॉरेंसिक जांच

मुंबई : मुंबई के पायधुनी इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की रहस्यमय मौत का मामला लगातार उलझता जा रहा है. शुरूआती जांच के कई पहलुओं के बाद भी यह अब तक साफ नहीं हो पाया है कि मामला हत्या का है, आत्महत्या का या फिर किसी अन्य वजह से हुई मौत का. अब जांच की दिशा घर में इस्तेमाल किए गए नमक की ओर मुड़ गई है. जांच एजेंसियों को आशंका है कि परिवार द्वारा खाए गए तरबूज पर नमक के साथ जिंक फॉस्फाइड पाउडर छिड़का गया हो सकता है. इसी संभावना की पुष्टि के लिए नमक के नमूनों की दोबारा जांच कराई जा रही है.

मुंबई के बांद्रा स्टेशन पर रेलवे का बड़ा एक्शन; करीब 18 फीसदी अवैध झोपड़ियां ध्वस्त

मुंबई : पश्चिमी रेलवे ने अतिक्रमण हटाने के लिए मंगलवार को अभियान शुरू किया। बांबे हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद शुरू किए गए इस अभियान के दौरान बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास बनी 500 अवैध झोपड़ियों में से लगभग 18 प्रतिशत झोपड़ियों को हटा दिया गया। यह अभियान 23 मई तक जारी रहेगा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि पांच दिवसीय अभियान का उद्देश्य 5,300 वर्ग मीटर रेलवे भूमि को खाली कराना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह अभियान 23 मई तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि रेलवे ने मुंबई के सबसे बड़े रेलवे स्टेशनों में से बांद्रा टर्मिनस पर एलिवेटेड रोड, बहुमंजिला इमारतों, प्लेटफार्मों और रखरखाव सुविधाओं से युक्त एक एकीकृत परिसर की योजना बनाई है।

रेलवे की जमीन पर बनी 500 झोपड़ियां

अधिकारी ने कहा, गरीब नगर में रेलवे की जमीन पर बनी 500 झोपड़ियों में से, अतिक्रमण विरोधी अभियान के पहले दिन हमने लगभग 15 से 18 प्रतिशत झोपड़ियों को खाली करा लिया है। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस अभियान को नागरिक प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और रेलवे सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त रूप से चलाया जा रहा है।

पश्चिमी रेलवे के अनुसार, कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने और अभियान को मानवीय तरीके से क्रियान्वित करने के लिए यह अभियान नागरिक प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और रेलवे सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त रूप से चलाया जा रहा था। इससे पहले दिन में जारी एक बयान में, वेस्टर्न रेलवे ने कहा कि इस मामले में सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्यवाही 2017 से पहले शुरू की गई थी, और बेदखली के आदेश 27 नवंबर, 2017 को पारित किए गए थे।

रेलवे यार्ड में 14 साल की लड़की से दरिंदगी, रेप की घटना से फिर दहल उठा महाराष्ट्र

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में महिलाओं और नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला कल्याण रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे यार्ड का है, जहां एक युवक ने अकेलेपन का फायदा उठाकर 14 साल की मासूम लड़की को अपनी हवस का शिकार बनाया। पीड़िता अहिल्यानगर

से बस द्वारा कल्याण पहुंची थी और उसे वहां से खोपोली के लिए ट्रेन पकड़नी थी। वह स्टेशन पर इंतजार कर रही थी, तभी आरोपी सौरभ सोनवाने की नजर उस पर पड़ी।

लड़की को अकेले देख आरोपी ने उसके पास जाकर जबरन उसका मोबाइल फोन छीन लिया। जब डरी हुई बच्ची ने अपना फोन वापस मांगा, तो आरोपी ने उसे डराया-धमकाया। उसने कहा कि अगर फोन वापस चाहिए तो उसे उसके साथ पुलिस स्टेशन चलना होगा।

मुंबईकरों पर पानी कटौती के बीच नया बोझ... बीएमसी जल्द बढ़ा सकती है जल शुल्क

मुंबई : मुंबईकरों पर जल्द ही पानी शुल्क बढ़ोतरी का बोझ पड़ सकता है। एक ओर शहर में फिलहाल 10 प्रतिशत पानी कटौती लागू है, वहीं दूसरी बीएमसी जल विभाग पानी शुल्क में 6 से 7 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की तैयारी में जुट गया है। पाइप लाइनों की मरम्मत, जल शुद्धिकरण और दूरस्थ बांधों से पानी लाने पर बढ़ते खर्च को देखते हुए प्रशासन ने शुल्क वृद्धि की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस मुद्दे पर बीएमसी आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त स्तर पर चर्चा भी हो चुकी है और अब अंतिम निर्णय मानसून तथा बांधों में जलसंग्रह की स्थिति पर निर्भर माना जा रहा है। पाइपलाइन की मरम्मत, रखरखाव, लीकेज नियंत्रण, पंपिंग स्टेशन संचालन और पानी को शुद्ध बनाने की प्रक्रिया पर लगातार बढ़ते आर्थिक बोझ ने मनपा प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। यही कारण है कि पिछले 5 वर्षों से लंबित पानी शुल्क वृद्धि का प्रस्ताव अब फिर से सक्रिय कर दिया गया है।

2020 के बाद से शुल्क में बढ़ोतरी नहीं

सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2020 के बाद से पानी शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। कोरोना महामारी के दौरान मुंबई की आर्थिक व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई थी, जिसके चलते तत्कालीन प्रशासन ने पानी शुल्क न बढ़ाने का फैसला लिया था। इसके बाद वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 और वर्ष 2024-25 में भी अलग-अलग कारणों से शुल्क वृद्धि का प्रस्ताव टाल दिया गया। लेकिन अब मनपा प्रशासन का कहना है कि लगातार बढ़ते खर्च और घटते राजस्व के कारण आर्थिक संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो रहा है।

प्रस्ताव को कर दिया गया था स्थगित

दरअसल, बीएमसी ने पहले वर्ष 2026 में पानी शुल्क में करीब 8 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया था। प्रस्ताव को लेकर अतिरिक्त आयुक्त स्तर पर विस्तृत चर्चा भी हुई थी। हालांकि, उस समय राजनीतिक विरोध के कारण मामला आगे नहीं बढ़ पाया, महापौर रितू तावड़े ने पदभार संभालने के बाद पानी शुल्क वृद्धि पर रोक लगाने की घोषणा की थी।

लागू करने में जल्दबाजी नहीं

वहीं विपक्ष की नेता किशोरी पेडणेकर ने भी इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था। इसके बाद स्थायी समिति अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे ने सदन में स्पष्ट किया था कि तत्काल पानी शुल्क नहीं बढ़ाया जाएगा और प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया था। इसके बावजूद अब करीब 15 दिन पहले बीएमसी प्रशासन ने फिर से नया प्रस्ताव तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार इस बार 6 से 7 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का विकल्प सामने रखा गया है। हालांकि प्रशासन फिलहाल इसे लागू करने में जल्दबाजी नहीं करना चाहता। अधिकारियों का मानना है कि जब तक मुंबई को पानी देने वाले सातों बांधों में संतोषजनक जलसंग्रह नहीं हो जाता, तब तक शुल्क वृद्धि लागू करने से नागरिकों में गलत संदेश जा सकता है। खासतौर पर ऐसे समय में जब शहर पहले से पानी कटौती झेल रहा है।

तो मनपा को उठाना पड़ेगा आर्थिक नुकसान

बीएमसी प्रशासन का दावा है कि यदि इस वर्ष भी पानी शुल्क नहीं बढ़ाया गया, तो मनपा को 100 से 125 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। अधिकारियों के अनुसार सामान्यतः हर वर्ष करीब 8 प्रतिशत तक पानी शुल्क बढ़ाया जाता है ताकि खर्च और आय के बीच संतुलन बना रहे। लेकिन लगातार पांच वर्षों तक शुल्क स्थिर रहने से जल विभाग की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ गया है। अब वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किए गए नए प्रस्ताव पर वरिष्ठ अधिकारियों और प्रशासनिक स्तर पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

'बकरीद पर कानून तोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई'

भिवंडी : आगामी बकरीद त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर भिवंडी पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त कार्यालय सभागार में पुलिस अधिकारियों, पीस कमेटी सदस्यों, मस्जिद ट्रस्टियों और मौलानाओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, कुबार्नी केंद्रों की निगरानी, साफ-सफाई और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में आगामी 27 मई से तीन दिनों तक मनाए जाने वाले बकरीद पर्व की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान जानवरों के बाजार, कुबार्नी केंद्रों की व्यवस्था, पानी-बिजली की उपलब्धता, सफाई व्यवस्था और कुबार्नी के बाद निकलने वाले अवशेषों के उचित निस्तारण जैसे मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई। पीस कमेटी के सदस्यों और मस्जिद ट्रस्टियों ने कुबार्नी स्थलों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, पर्याप्त सफाईकर्मियों की तैनाती तथा सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग रखी। अधिकारियों ने सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने साफ शब्दों में कहा कि बकरीद के दौरान जानवरों की कुबार्नी कोर्ट और राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार ही की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों या कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी समुदाय के लोग आपसी भाईचारे और अमन-शांति के साथ त्योहार मनाएं तथा एक-दूसरे के धर्म और भावनाओं का सम्मान करें। डीसीपी बोराटे ने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान पूरे शहर में कड़ा पुलिस बंदोबस्त रहेगा।

ठाणे के कोलशेत में भीषण आग... छह घंटे बाद आग पर पाया काबू, गोदाम और गैराज जलकर खाक

ठाणे : जिले के कोलशेत इलाके में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गोदाम और वाहन मरम्मत की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आसमान में धुएं के काले गुबार छा गए। आग इतनी तेज थी कि पूरे इलाके में दहशत फैल गई। दमकल विभाग ने करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

तरीचा पाड़ा इलाके में जलवाहिनी के पास स्थित शिवशक्ति एंटरप्राइजेज के गोदाम में बड़ी मात्रा में गत्ते का सामान रखा था। उसके पास ही एस. एच मोटर वर्क नाम की वाहन मरम्मत की दुकान थी। मंगलवार सुबह करीब 7.40 बजे अचानक दोनों जगहों पर आग लग गई। गत्ते और ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही ठाणे महानगरपालिका के दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। कई दमकल गाड़ियों को आग बुझाने में लगाया गया। आग लगातार फैल रही थी, जिससे जवानों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस हादसे में मरम्मत के लिए आई दो कारें पूरी तरह जल गईं। इसके अलावा कम्प्रेसर मशीन, जेसीबी, फोर्कलिफ्ट और गोदाम का अन्य सामान भी आग की चपेट में आ गया। आग के कारण इलाके में धुएं का घना गुबार फैल गया, जिससे प्रदूषण भी बढ़ गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। ठाणे महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि समय रहते इलाके को सुरक्षित कर लिया गया था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

स्विमिंग पूल में डूबने से बच्चे की मौत

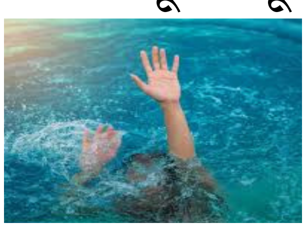

विरार : विरार के पास नवापुर के एक रिसॉर्ट में अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने आया 7 साल का बच्चा स्विमिंग पूल में डूब गया। मरने वाले लड़के की पहचान लवित रामजीत यादव (7) के तौर पर हुई है। वसई - विरार के समुद्र किनारे बड़ी संख्या में रिसॉर्ट बने हैं। गर्मी की छुट्टियां शुरू होते ही इस इलाके के रिसॉर्ट में बड़ी संख्या में टूरिस्ट आने लगे हैं। रविवार को मुंबई के भांडुप (वेस्ट) में कस्टम कॉलोनी के पास रहने वाले रामलाल जयकरण यादव अपने पोते-पोतियों के साथ वसई के नवापुर में बने 'मंथन रिसॉर्ट' में आए थे। दोपहर करीब 3 बजे सभी बच्चे रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल ('वेव पूल') में खेल रहे थे। खेलते खेलते अचानक 7 साल का लवित पानी में डूबने लगा। यह देखते ही रिसॉर्ट के लाइफगाड्र्स ने उसे तुरंत पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए विरार के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, वहां डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती करने से पहले मृत घोषित कर दिया। इस मामले में अनार्ला मरीन पुलिस स्टेशन में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया गया है। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विजय पाटिल ने बताया। इससे पहले भी वसई विरार इलाके में स्विमिंग पूल में डूबने की घटनाएं हो चुकी हैं।

बीएमसी के 79 नगरसेवकों पर लटकी तलवार... जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य मामलों को लेकर अदालत में हैं मामले

मुंबई : जनवरी 2026 में हुए बीएमसी चुनाव के बाद 79 निर्वाचित नगरसेवकों के चुनाव परिणामों को अदालत में चुनौती दी गई है। इन मामलों में पूर्व नगरसेवक, राजनीतिक परिवारों के सदस्य और बेहद कम अंतर से हारने वाले उम्मीदवार शामिल हैं। चुनाव याचिका दायर करने वालों में कांग्रेस की पूर्व नगरसेवक शीतल म्हात्रे, शिवसेना की राजुल पटेल, संजय नाना आंबोले और राजू पेडणेकर शामिल हैं। इसके अलावा मुंबई उत्तर-पश्चिम के सांसद रविंद्र वायकर की बेटी दीप्ति वायकर पोतनीस ने भी अदालत का रुख किया है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के टिकट पर चुनाव लड़ा था। शिंदे गुट के पूर्व विधायक सदा सरवणकर की बेटी प्रिया सरवणकर गुरव ने भी चुनाव परिणाम को चुनौती दी है। वह शिवसेना उम्मीदवार विशाखा राउत के खिलाफ चुनाव मैदान में थी और पराजित हुई थीं। यह जानकारी आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत बीएमसी के विधि विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई। गलगली ने 12 मई को मनपा चुनावों में दायर चुनाव याचिकाओं की जानकारी मांगी थी।

गलगली ने बताया कि 79 नगरसेवकों के खिलाफ दायर चुनाव याचिकाओं की सुनवाई फिलहाल अदालत में जारी है। इनमें से एक याचिका पहले ही निचली अदालत द्वारा खारिज की जा चुकी है। वार्ड 119 'एस' से मोहम्मद अनवर अब्दुल्ला शेख द्वारा शिवसेना नगरसेवक राजेश सोनावले और अन्य उम्मीदवारों के खिलाफ दायर याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। वहीं वार्ड 90 से भाजपा उम्मीदवार ज्योति अनिल उपाध्याय महज सात वोटों से कांग्रेस उम्मीदवार टुलिप मिरान्डा से चुनाव हार गई थीं। टुलिप मिरान्डा वर्तमान में मनपा की स्थायी समिति की सदस्य हैं। उनके पति ब्रायन मिरांडा वर्ष 2012 में इसी सीट से विजयी हुए थे, जबकि 2017 में महिला आरक्षित सीट होने पर टुलिप मिरान्डा पहली बार निर्वाचित हुई थीं।

धंधे की दुश्मनी बनी खूनी जंग ! नागपुर में ड्रग्स गैंग के बीच फायरिंग से सनसनी... पुलिस ने शुरू की जांच !

नागपुर : नागपुर शहर में ड्रग्स की बिक्री तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में विक्रेताओं की संख्या और धंधे में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ गई है। किसी समय साथ धंधा करने वाले घाटे बंधु और गंगा का पंगा इतना ज्यादा बढ़ गया कि अब यह खूनी खेल में तब्दील होने की कगार पर है। धंधे में वर्चस्व बनाने के लिए अब गंगा गैंग ने घाटे के घर पर हमला कर दिया। यह घटना कोतवाली थानांतर्गत महल के कोठी रोड पर हुई। गंगा और उसके साथियों ने घर के सामने बैठे सौरभ घाटे पर 2 राउंड फायर किए, हालांकि पुलिस का मानना है कि फायरिंग केवल दहशत मचाने के इरादे से की गई लेकिन अब यह मामला यहीं खत्म नहीं होने वाला। इस घटना के बाद गैंगवार बढ़ने और खून-खराबा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने कोठी रोड निवासी सौरभ उर्फ आलू घाटे (27) की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। आरोपियों में गंगा काकड़े, रवि महतो, प्रतीक कदम

और अन्य 3 का समावेश है।

प्रवीण घाटे और सौरभ घाटे शहर के सबसे बड़े ड्रग पेडलर माने जाते हैं लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि एनडीपीएस सेल और कोतवाली पुलिस उन पर नकेल कसने में पूरी तरह विफल दिखाई पड़ती है। कहने को तो घाटे बंधु महल में कपड़े की दुकान चलाते हैं लेकिन उनका असली धंधा एमडी का है। गंगा कुछ महीनों पहले तक प्रवीण का सबसे खास नंबरकारी था। उसके माल की पूरी डीलिंग गंगा ही करता था। प्रवीण का व्यवहार बदल गया और गंगा भी अपना नेटवर्क बनाकर धंधे में कूद गया। प्रवीण के कई क्लाइंट उसके पास चले गए, तब से एमडी के धंधे में दोनों गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई। जानकारी के अनुसार सौरभ रविवार की रात अपने मित्र रोहन और अन्य के साथ घर के सामने बैठा था। रात 11 l40 बजे के दौरान गंगा, रवि और प्रतीक अन्य 3 साथियों के साथ दोपहिया वाहन पर उसके घर के सामने पहुंचे, आरोपियों ने उन्हें ललकारते हुए पिस्तौल निकाली। एक गोली घर के सामने खड़ी फार पर जा लगी, वहीं दूसरी गोली बंदूक में ही फंस गई, तत्काल आरोपी वाहनों में सवार होकर भाग निकले, कोई जख्मी तो नहीं हुआ लेकिन आधी रात को फायरिंग होने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया, इस घटनास्थल से गडकरी वाडा और कोतवाली थाना महज कुछ कदमों की दूरी पर है।

फर्जी लाडली बहनों को सरकार का झटका... अपात्र लाभार्थियों से वसूली की तैयारी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी लाडकी बहीण योजना को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिती तटकरे ने साफ किया है कि जिन महिलाओं ने गलत तरीके से योजना का लाभ उठाया है, उनसे सरकार पूरी रकम वसूल करेगी। यहां तक कि कुछ पुरुषों ने भी इस योजना का लाभ लिया है, उनसे भी पैसे वापस लिए जाएंगे। प्रत्येक जिले से डेटा मंगाया जा रहा है और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

तटकरे ने बताया कि 31 दिसंबर तक ई-केवायसी कराने की समयसीमा दी गई थी, लेकिन अनेक महिलाओं ने इसे पूरा नहीं किया। अब विभागवार डेटा की जांच की जाएगी और ऐसी महिलाओं को चिह्नित किया जाएगा। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन महिलाओं के नाम आरटीओ पोर्टल पर गलती से चारपहिया वाहन दर्ज हो गया है, वे जरूरी प्रमाण प्रस्तुत करें। सत्यापन के बाद उनका लाभ पुनः शुरू किया जाएगा।

राज्यभर में महिलाओं का आक्रोश

जनवरी 2026 से राज्य की 50 लाख से अधिक पात्र महिलाओं के खाते में किस्त नहीं आई है। अकेले सोलापुर में 4 लाख महिलाएं प्रभावित हैं। कई महिलाएं बाल विकास कार्यालयों में पहुंचकर जवाब मांग रही हैं। पोर्टल पर गलत आयकरदाता दर्ज होना, एक परिवार में दो से अधिक लाभार्थी दिखाना जैसी तकनीकी खामियां भी सामने आई हैं। अब सरकार के अगले कदम पर सबकी नजरें टिकी हैं।

राज्य के 15 जिलों में पानी संकट गहराया... 633 गांवों और 1652 बस्तियों में 706 टैंकरों से जलापूर्ति

मुंबई : राज्य में बढ़ती गर्मी और जलसंकट को देखते हुए राज्य सरकार ने कई जिलों में टैंकरों के जरिए पेयजल आपूर्ति जारी रखी है। 11 मई से 17 मई के बीच की रिपोर्ट के अनुसार राज्य के 15 जिलों के 633 गांवों और 1652 बस्तियों में कुल 706 टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है। इनमें 33 सरकारी और 669 निजी टैंकर शामिल हैं। तेज गर्मी के कारण कुएं, बोरवेल और छोटे जलस्त्रोत सूखने लगे हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में टैंकर ही पेयजल का मुख्य सहारा बन गए हैं। इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा संकट ठाणे विभाग में 177 गांवों और 572 बस्तियों में 155 टैंकरों से पानी पहुंचाया जा

रहा है। नाशिक विभाग के 156 गांवों और 444 बस्तियों के लिए 159 टैंकर कार्यरत हैं। पुणे विभाग के 145 गांवों और 572 बस्तियों में 131 टैंकरों से जलापूर्ति हो रही है। छत्रपति संभाजीनगर विभाग में 138 गांवों और 64 बस्तियों के लिए 244 टैंकर लगाए गए हैं, जो राज्य में सबसे अधिक हैं। अमरावती विभाग के 17 गांवों में 17 टैंकरों से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। नागपुर विभाग में फिलहाल टैंकरों की जरूरत नहीं पड़ी है।

राज्य सरकार ने कहा है कि जिला प्रशासन, ग्राम पंचायतों और जलापूर्ति विभाग द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। नागरिकों को नियमित और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए टैंकरों के साथ वैकल्पिक जलस्त्रोतों के उपयोग, कुओं के अधिग्रहण और जलसंग्रहण की योजना पर भी जोर दिया जा रहा है। प्रशासन ने आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना को देखते हुए पानी संकट वाले क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार अतिरिक्त टैंकर उपलब्ध कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

मानसिक प्रताड़ना से तंग युवक ने दी जान, मौत से पहले video, फिर आत्महत्या ! भंडारा में मचा हड़कंप

भंडारा : भंडारा मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो के वायरल होने से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। मृत युवक का नाम रमनसिंह बाच्छिल बताया गया है। आत्महत्या से पहले उन्होंने मोबाइल पर एक वीडियो रिकॉर्ड कर खात रोड स्थित जीबी क्लब के संचालक ललित उर्फ ''गुड्डू बैस'' पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अब इस मामले में मृतक की पत्न ी मालिनी बाच्छिल ने भी मोडिया के सामने आकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

''मेरी मौत का जिम्मेदार गुड्डू बेस''

पुलिस सूत्रों के अनुसार रमनसिंह बाच्छिल ने आत्महत्या से पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कहा है कि, 'गुडू बैस उर्फ ललित वैस और उनका बेटा उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। अब यह प्रताड़ना सहन नहीं हो रही।' उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी संपत्ति और व्यवसाय पर कब्जा करने के उद्देश्य से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा था। वीडियो में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, 'मेरी मौत के लिए जीबी क्लब के मालिक ललित बैस जिम्मेदार होंगे।' मृतक की पत्न ी मालिनी बाच्छिल ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि रमनसिंह ने 15 तारीख को घर आने की बात कही थी, लेकिन उसके बाद उनका संपर्क टूट गया। घर वापस नहीं लौटने पर परिवार ने पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके दो दिन बाद 17 तारीख को वैनगंगा नदी में उनका शव मिला। धरिवारजनों की शिकायत के बाद भंडारा पुलिस ने बैस पिला पुत्र के खिलाफ रमनसिंह की आत्महत्या के लिए प्रवृत्त करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उनके दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे तोडे गए और अपनी ही जमीन पर बनी दुकान पर नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण की कार्रवाई करवाई, जानकारी के अनुसार रमनसिंह बाछिल के दादा ने समाजहित के लिए यह जमीन दान में दी थीं। मृतक के भाई विकी ने आरोप लगाया है कि इसी जमीन पर ललित उर्फ मुहू बैस की नजर थी।

नीट पेपर लीक जांच में पहुंची CBI की स्पेशल टीम

नागपुर : नीट पेपर लीक मामले की जांच के लिए मंगलवार को सीबीआई नागपुर पहुंची, जहां दिल्ली और नागपुर की सीबीआई टीमों ने विदर्भ में तीन उम्मीदवारों से पूछताछ की और उनके घरों पर तलाशी ली। इनमें से दो उम्मीदवार नागपुर के हैं, जबकि एक चंद्रपुर जिले का है। इस जांच को लेकर सीबीआई सूत्रों के अनुसार, अब तक किसी की भी गिरफ्तारी या फिर किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। सीबीआई की टीमों ने परीक्षार्थियों के घर पर सर्च ऑपरेशन भी चलाया।

नीट पेपर लीक मामले में अब तक कुल 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सोमवार को लातूर स्थित एक कोचिंग इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर शिवराज मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने बताया कि मोटेगांवकर 'आरसीसी कोचिंग इंस्टीट्यूट' के मालिक हैं। यह इंस्टीट्यूट मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली नीट यूजी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को कोचिंग देता है। जांच एजेंसी ने बताया कि आरसीसी कोचिंग इंस्टीट्यूट की नौ शाखाएं हैं, जिनमें से इसकी

मुख्य शाखा महाराष्ट्र के लातूर में स्थित है। माना जा रहा है कि मोटेगांवकर केमिस्ट्री के लेक्चरर पीवी कुलकर्णी के करीबी हैं। कुलकर्णी एनटीए से जुड़े हुए हैं और सीबीआई पहले भी उनसे पूछताछ कर चुकी है। दूसरी ओर, नीट पेपर लीक मामले में विपक्षी दलों की ओर से लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है और साथ ही एनटीए को भंग करने की मांग भी तेज है। इस बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को नीट (यूजी) री-एग्जाम की तैयारियों की समीक्षा की है। नीट यूजी की यह परीक्षा अब 21 जून को होनी है। पहले यह परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी, लेकिन पेपर लीक होने के बाद 11 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई।

संपादकीय...

शहरों को क्या मिलेगा...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिमाचल की राजनीति में नगर निगम चुनाव एक इबारत की तरह दर्ज हुए हैं, जहां पार्टियों ने शक्ति का प्रदर्शन किया। आश्चर्य यह कि जब स्थानीय मुद्दे ढीले पड़े तो सत्ता बनाम विपक्ष हो गया। सारी तोहमतें अगर नगर निगमों के सिंहासन पर फूटीं, तो अगले साल विधानसभा चुनाव के मुद्दे क्या होंगे। नगर निगम चुनावों की जेब में हालांकि कुछ बेहतरीन संकल्प पत्र आए, लेकिन सबसे अहम रहा इनके विस्तार और इनके डिकंजेशन को लेकर अगर कहीं सोचा गया। ताज्जुब यह भी कि यह चुनाव या तो निगम क्षेत्रों में शामिल किए गए गांवों को बाहर निकालने तक पहुंच गया या कहीं टीसीपी कानून को न्यस्त करने का बन गया। यानी दिल से हम कुछ और हैं और नजर हम कुछ और आना चाहते हैं। मंडी नगर निगम के वार्ड नंबर 14 यानी बैहना ने पूरी चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करके यह साबित कर दिया कि नागरिक समाज “घोषित शहरी” नहीं होना चाहता। भले ही गांव का कूड़ेदान भर कर परेशान कर रहा है, लेकिन शहरी जीवन की मयार्दा खंडित रहे। यहां व्याख्या गांव की करके “शहरी लोग” निरंकुश बने रहना चाहते हैं या राजनीति इसकी मदद करती है। पूरे हिमाचल में हजारों एकड़ जमीन पर खेतीबाड़ी नहीं हो रही। गांव की अर्थव्यवस्था चौपट है और लोग किसी भी तरह की नौकरी के लिए दौड़ रहे हैं, फिर भी यह ताना-बाना यही चाहता है कि या तो बीपीएल में दिन गुजर जाए या गांव की रूपरेखा में लाभ की फसल कट जाए। हिमाचल का शहरीकरण उस मानसिकता में है जो हर सडक के किनारे व्यापारी परिसर खड़ा करना चाहती है या घर को आलीशान सुविधाओं के तरीके से चलाना चाहती है। एक और पैटर्न बढ़ते कचरे में देखा जा सकता है, जो गांव की खड्ड तक को परेशान कर रहा। ऐसे में शहर अब ऐसी आर्थिकी का निवेश कर रहे हैं, जो आसपास के दर्जनों गांवों को जोडकर एक सेतु बना रही है।

टीसीपी कानून की मूल आत्मा भी यही कहती है कि शहरी परिदृश्य से जुड़े गांव भी शहरी योजना-परियोजना के दायरे में विकसित हों। अगर नगर निगमों के मर्ज एरिया बाहर करने का आश्वासन चुनाव करते रहे हैं, तो यह शहरी उत्थान के अनेकों दावों का चीरहरण ही करेगा। आज की तारीख में परवाणू से सोलन तक शहरीकरण के कई पड़ाव दिखाई देते हैं, तो इनको संबोधित करने के लिए विकास प्राधिकरण की स्वतंत्र इकाई चाहिए। भुंतर-कुल्लू से मनाली, मंडी-नेरचौक से सुंदरनगर, नादौन-हमीरपुर-भोटा, धर्मशाला-गगल-कांगड़ा या धर्मशाला-चामुंडा-पालमपुर के लिए विकास प्राधिकरण गठित करके गांव और शहर के विकासात्मक रिश्ते सुदृढ़ होंगे। हिमाचल की शहरी तस्वीर को ट्रैफिक जाम या पार्किंग की मजबूरियां खराब कर रही हैं। वाहन पंजीकरण की ऐसी पॉलिसी होनी चाहिए ताकि वही गाड़ी शहर में दौड़े, जिसके मालिक के पास माकूल पार्किंग सुविधा हो। इसके लिए यह भी जरूरी है कि शहर में सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को नए सिरे से पढ़ा जाए।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

मेयर रितु तावड़े ने लोकल ट्रेन से किया दौरा, मॉनसून तैयारियों की समीक्षा

मुंबई : मेयर रितु तावड़े ने मंगलवार को शहर में मॉनसून से पहले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक अनोखे तरीके से लोकल ट्रेन से यात्रा की। उन्होंने घाटकोपर से दादर तक लोकल ट्रेन से सफर कर विभिन्न स्थानों पर चल रहे तैयारियों के कार्यों की स्थिति को देखा। यह निरीक्षण बृहन्मुंबई नगर निगम द्वारा शहर में मॉनसून से पहले किए जा रहे उपायों की समीक्षा कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था। मेयर का उद्देश्य शहर में भारी बारिश के दौरान जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए की गई व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण करना था।

दौरे के दौरान मेयर रितु तावड़े ने मुंबई के प्रमुख तूफानी पानी पंपिंग स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। इनमें ब्रिटानिया, लवग्रोव और क्लीवलैंड पंपिंग स्टेशन शामिल रहे, जो शहर में भारी बारिश के समय जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेयर को पंपिंग स्टेशनों की कार्यप्रणाली, क्षमता और आपातकालीन परिस्थितियों में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि इन पंपिंग स्टेशनों को मॉनसून के दौरान अधिक प्रभावी बनाने के लिए नियमित रूप से सफाई और तकनीकी जांच की जा रही है।

मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मॉनसून से पहले सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने और शिकायतों के त्वरित निवारण पर जोर दिया। लोकल ट्रेन से यात्रा के दौरान मेयर ने यात्रियों से भी बातचीत की और शहर की परिवहन व्यवस्था तथा मॉनसून के दौरान आने वाली समस्याओं को लेकर उनकी राय जानी। इस दौरान उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा नगर प्रशासन की प्राथमिकता है। BMC अधिकारियों के अनुसार, शहर में मॉनसून से पहले नालों की सफाई, पंपिंग स्टेशनों की जांच और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी का काम तेजी से चल रहा है। इस निरीक्षण का उद्देश्य सभी तैयारियों की जमीनी हकीकत को समझना और समय रहते कमियों को दूर करना है।

महाराष्ट्र में ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा, कोंकण में परमाणु परियोजनाओं के लिए बड़े MoU पर हस्ताक्षर

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को मुंबई स्थित मंत्रालय में राज्य सरकार के ऊर्जा विभाग और प्रमुख कंपनियों के बीच समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर और उनके आदान-प्रदान की प्रक्रिया की अध्यक्षता की। यह कदम राज्य में ऊर्जा उत्पादन और दीर्घकालिक बिजली जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इन समझौतों के तहत कोंकण क्षेत्र में प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के विकास पर काम किया जाएगा। इन टङ्कव पर अडानी पावर लिमिटेड, कोस्टल महा एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NTPC) जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य में स्वच्छ और स्थायी ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना है, जिससे भविष्य में बढ़ती बिजली मांग को पूरा किया जा सके। कोंकण क्षेत्र को इन परियोजनाओं के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश को प्रोत्साहित कर रही है और इन परियोजनाओं से महाराष्ट्र की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक और सुरक्षित मानकों के साथ इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। MoU के आदान-प्रदान के दौरान परियोजनाओं की रूपरेखा, निवेश योजना और भविष्य की कार्यप्रणाली पर प्रारंभिक चर्चा भी की गई। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इन परियोजनाओं से न केवल ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार का मानना है कि इन समझौतों के माध्यम से महाराष्ट्र ऊर्जा क्षेत्र में एक नए चरण की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ आधुनिक और वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं पर भी जोर दिया जाएगा।

मुंबई मानसून तैयारी: प्रभाकर शिंदे ने पूर्व उपनगरों के नालों का निरीक्षण किया

मुंबई : मानसून के दौरान मुंबई में रेल पटरियों और निचले इलाकों में जलजमाव की गंभीर समस्या से निपटने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका और रेलवे प्रशासन ने संयुक्त प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में बृहन्मुंबई महानगरपालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे ने 18 मई 2026 को पूर्व उपनगरों का व्यापक तूफानी दौरा कर नालों की सफाई एवं रेलवे कल्वर्ट कार्यों का जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों प्रशासनिक इकाइयों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तेज बारिश के दौरान मुंबई को बाढ़ मुक्त रखने के लिए आपसी समन्वय के साथ युद्धस्तर पर कार्य किया जाए। निरीक्षण के दौरान प्रभाकर शिंदे ने मुलुंड स्थित नीलम नगर नाला, नानेपाडा नाला, कांजुरमार्ग के क्रॉम्प्टन नाला तथा विद्याविहार स्टेशन के समीप जॉली जिमखाना नाले के कल्वर्ट का विस्तार से जायजा लिया। मुलुंड रेलवे यार्ड के पास निरीक्षण के समय यह तथ्य सामने आया कि आसपास की बस्तियों का कचरा सीधे नानेपाडा नाले में पहुंच रहा है, जिससे नाला अवरुद्ध होने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उन्होंने रेलवे अधिकारियों को कल्वर्ट के मुहाने पर मजबूत लोहे की जालियां लगाने के निर्देश दिए, ताकि तैरता हुआ कचरा नाले में प्रवेश न कर सके।

उन्होंने कल्वर्ट की दीवारों की मरम्मत, जल निकासी के मुहाने को चौड़ा करने तथा वहां से गुजरने वाली रेलवे केबलों को ऊंचाई पर स्थापित करने के सुझाव भी दिए, जिससे कचरा उनमें फंसने की समस्या समाप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नगरसेविका राखी जाधव, नगरसेवक धर्मेश गिरी एवं नगरसेविका डॉ. अर्चना भालेराव भी उपस्थित रहीं। अध्यक्ष ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक की सफाई संतोषजनक है, लेकिन मानसून से पूर्व सभी शेष कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाने आवश्यक हैं। नगरसेवकों ने भी इस बात पर बल दिया कि यदि बृहन्मुंबई महानगरपालिका और मध्य रेलवे के इंजीनियर आपसी समन्वय से कार्य करेंगे तो पूर्व उपनगरों के नागरिकों को भारी वर्षा के दौरान जलजमाव की समस्या से राहत मिल सकेगी। यह निरीक्षण मुंबई में बाढ़ प्रबंधन को मजबूत करने और मानसून पूर्व तैयारियों को निर्णायक दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तुर्भे के बोंसारी में सिडको की बड़ी कार्रवाई, दो अवैध आरएमसी प्लांट ध्वस्त

नवी मुंबई : तुर्भे स्थित बोंसारी क्षेत्र में अवैध निमार्णों पर सख्त कार्रवाई करते हुए सिडको के 'अवैध निर्माण विभाग' ने दो रेडी मिक्स कंक्रीट प्लांट को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर नियोजन अधिनियम के तहत की गई, जिसमें बिना अनुमति किए गए निर्माणों को पूरी तरह हटाया गया। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई उस समय की गई जब जांच में पाया गया कि इन दोनों प्लांटों को लगभग 3,700 वर्ग मीटर से अधिक भूमि पर बिना किसी वैध अनुमति के स्थापित किया गया था। सिडको अधिकारियों ने बताया कि यह निर्माण पूरी तरह अवैध था और इसके लिए किसी प्रकार की स्वीकृति या लाइसेंस नहीं लिया गया था।

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान बोंसारी गांव स्थित सर्वे नंबर 203 पर मौजूद दो प्रमुख इकाइयों– ''मेसर्स एसआरपी आरएमसी प्लांट'' और ''मेसर्स बिल्डकॉन आरएमसी प्लांट''–को निशाना बनाया गया। दोनों स्थानों पर बनाए गए अवैध ढांचों को पूरी तरह हटाया गया। अधिकारियों के अनुसार,

कार्रवाई के दौरान प्लांट में बने शेड, कार्यालय कक्ष और मशीनरी को ध्वस्त किया गया। भारी मशीनों की मदद से पूरे परिसर को खाली कराया गया और अवैध संरचनाओं को जमींदोज कर दिया गया।

सिडको के अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है और जहां भी बिना अनुमति निर्माण पाया जाएगा, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि एमआरटीपी अधिनियम के तहत अवैध निर्माणों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस कार्रवाई का उद्देश्य शहरी नियोजन नियमों का पालन सुनिश्चित करना और अवैध भूमि उपयोग पर रोक लगाना है। बोंसारी क्षेत्र में लंबे समय से इस तरह के अवैध औद्योगिक ढांचों को लेकर शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। कार्रवाई के बाद इलाके में अन्य संभावित अवैध निर्माणों की भी जांच शुरू कर दी गई है। सिडको ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में ऐसी और भी कार्रवाइयां की जा सकती हैं। इस ध्वस्तीकरण को प्रशासन की सख्त नीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिससे शहरी विकास नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

बादलों से घिरी सुबह के साथ मुंबई में मौसम सुहाना, एयर क्वालिटी इंडेक्स 'अच्छी' श्रेणी में दर्ज

मुंबई : बुधवार की सुबह मौसम ने हल्का बदलाव दिखाया, जहां आसमान बादलों से ढका रहा और गर्मी के मौसम के बीच लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई। शहर में सुबह के समय तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे यह साफ हुआ कि गर्मी का असर अभी भी बना हुआ है, लेकिन बादलों की मौजूदगी ने मौसम को अपेक्षाकृत नरम बना दिया। सुबह के समय शहर के कई हिस्सों में हल्के बादल छाए रहे, जिससे धूप की तीव्रता कम रही। हालांकि उमस का एहसास लोगों को दिन की शुरूआत में महसूस हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी तापमान में खास गिरावट की संभावना कम है, लेकिन बादल और हल्की हवा के कारण मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

इस बीच शहर की वायु गुणवत्ता को लेकर राहत भरी जानकारी सामने आई है। मुंबई में एयर क्वालिटी इंडेक्स 27 दर्ज किया गया, जो 'अच्छी' श्रेणी में आता है। यह संकेत करता है कि फिलहाल शहर की हवा प्रदूषण स्तर के लिहाज से सुरक्षित और स्वच्छ बनी हुई है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, एयर क्वालिटी इंडेक्स का इस स्तर पर रहना शहरवासियों के लिए सकारात्मक संकेत है, खासकर ऐसे समय में जब बड़े महानगरों में प्रदूषण का स्तर अक्सर चिंता का कारण बनता है। सुबह के समय हवा की गुणवत्ता बेहतर रहने से लोगों को खुले वातावरण में सांस लेने में राहत मिली।

शहर के कई हिस्सों में सुबह की सैर पर निकले लोगों और कामकाजी वर्ग ने मौसम को अपेक्षाकृत आरामदायक बताया। हालांकि तापमान 30 डिग्री होने के कारण दिन चढ़ने के साथ गर्मी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि अगले कुछ दिनों में बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है, जिससे कभी-कभी हल्की राहत मिल सकती है, लेकिन तापमान में बड़ी गिरावट की उम्मीद नहीं है। फिलहाल मुंबई में मौसम का यह मिश्रित रूप–बादल, गर्मी और साफ हवा–लोगों के लिए एक संतुलित अनुभव प्रदान कर रहा है।

हिंदू महिला को धमकाने का आरोप, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा मुंबई के मलाड के मालवणी में एक महिला से मुलाकात करने पहुंचे। महिला ने आरोप लगाया था कि घर के सामने किए गए अवैध निर्माण और एक खास समुदाय के लोगों द्वारा उसका दरवाजा बंद कर दिया गया था। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि दो मुस्लिम युवक एक हिंदू महिला को धमकी दे रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। बिल्डिंग के अंदर जिस तरह से जानवरों को काटा जा रहा है, वह भी बिना किसी अनुमति के हो रहा है, उसके खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि मालाड के मालवणी में दो मुस्लिम युवक एक हिंदू महिला को धमका रहे थे। उनके खिलाफ पहले से ही केस दर्ज है। यहां हिंदुओं को धमकाकर भगाने की घटनाएं हो रही हैं। विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने मौके पर जाकर

मदद की। भाजपा कार्यकताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। मैंने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की है। हालांकि, उन्होंने एफआईआर को लेकर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि एफआईआर तो दर्ज हो गई है, लेकिन जिन धाराओं को लगाया जाना चाहिए था, वे नहीं लगाई गईं। दोषियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। हम पुलिस स्टेशन जाएंगे। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस तरह की घटना यहां दोबारा न हो।

उन्होंने यह भी कहा कि सबको पता है कि कौन यहां आकर बसा और किसने बसाया है, किसने जमीनों पर कब्जा किया है। सरकार जमीनें खाली करवाएगी। मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि यहां हिंदुओं को झूठी शिकायतें करके परेशान किया जाता है। हमने इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भी दे दी है। दबाव और दादागिरी खत्म होनी चाहिए। अगर कार्रवाई नहीं होती है तो हम फिर यहां वापस आएंगे। वहीं, पीड़िता ने कहा कि शौकत नाम का शख्स दरवाजा नहीं खोलने दे रहा था। लगभग एक साल से वह बंद था। वह कब्जा करना चाहता था। महिला ने कहा कि मैं बस यही चाहती हूं कि मुझे दरवाजा खोलने में किसी तरह की कोई दिक्कत न आए।

ज्वेलरी व्यापारी से ठगी, ठगों ने ऐंठे 14 लाख रुपए...

ठाणे : ठाणे में सस्ते दाम पर सोना दिलाने का झांसा देकर एक ज्वेलरी व्यापारी से 14 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद कारोबारी वर्ग में भी चिंता का माहौल है। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. पुलिस के अनुसार पीड़ित 31 वर्षीय ज्वेलरी व्यापारी गोरेगांव का रहने वाला है। व्यापारी ने अपनी शिकायत में बताया कि कुछ लोगों ने उससे संपर्क कर सोना उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया था। आरोपियों ने दावा किया कि उनके पास सस्ता सोना उपलब्ध है और यदि वह नकद भुगतान करेगा तो उसे 100 ग्राम सोना रियायती कीमत पर दे दिया जाएगा. शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने व्यापारी को 12 मई को वसंत विहार इलाके में बुलाया. यहां बातचीत के दौरान आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि भुगतान मिलते ही सोना सौंप दिया जाएगा.

कल्याण-डोंबिवली में नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म के 3 मामले, सभी आरोपी गिरफ्तार...

कल्याण : कल्याण-डोंबिवली इलाके में नाबालिग बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की तीन अलग-अलग घटनाओं से रविवार को पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए शिकायत दर्ज होते ही तीनों ही मामलों के आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दो-दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पहली घटना कल्याण रेलवे यार्ड की है। शनिवार रात 24 साल के सौरभ सोनवणे नामक युवक ने एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की का मोबाइल जबरन छीन लिया। जब

लड़की ने मोबाइल वापस मांगा, तो आरोपी उसे झांसा देकर रेलवे यार्ड में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म कर फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर कल्याण रेलवे (लोहमार्ग) पुलिस ने रविवार को जाल बिछाकर आरोपी सौरभ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों ही मामलों में मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो कानून और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है, जहां पुलिस उनसे आगे की पूछताछ कर रही है।

एक ही दिन में नाबालिग लड़कियों के शोषण के तीन मामले सामने आने से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल है। दूसरा मामला रामनगर पुलिस स्टेशन की हद में सामने आया है। यहां पुलिस ने 19 साल के शुभम सरोज नाम के एक वीडियोग्राफर को गिरफ्तार किया है। शुभम ने अपनी ही 15 साल की एक नाबालिग दोस्त को झांसे में लेकर उसके साथ दुष्कर्म किया। यह खौफनाक मामला तब सामने आया, जब नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई।

इसके बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर रामनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा।

ईंधन बचाने की अपील पर कैसे होगा अमल, संसाधन सीमित, सफर मुश्किल; गर्मी में सार्वजनिक परिवहन पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी) गर्मियों और स्कूल-ऑफिस पीक सीजन में अतिरिक्त बसें और मेट्रो फेरे बढ़ाने की जरूरत है, वरना आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर में बड़ी आबादी अब निजी वाहनों से हटकर मेट्रो पर निर्भर हो रही है।प्रधानमंत्री की ईंधन बचत और सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील के बीच राजधानी का आम यात्री सोमवार को मुश्किल सवाल से जूझता नजर आया। मेट्रो पहले से ही क्षमता से ज्यादा बोझ उठा रही है और सड़कों पर बसों की संख्या जरूरत के मुकाबले कम है। ऐसे में निजी वाहनों से दूरी कैसे बनाएं? सुबह-शाम की भीड़ में मेट्रो स्टेशन से लेकर बस स्टॉप तक लंबी कतारें रोजमर्रा की तस्वीर बन चुकी हैं। ऐसे में चुनौती सिर्फ अपील पर अमल की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की भी है जिस पर करोड़ों लोगों का रोज का सफर टिका हुआ है।दिल्ली सरकार और केंद्र की ओर से लगातार लोगों से निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की अपील की जा रही है ताकि ईंधन की बचत हो और प्रदूषण कम किया जा सके। जमीनी हकीकत कुछ और ही हकीकत बयां कर रही है। मेट्रो के अतिरिक्त ट्रेन चलाने और फेरे बढ़ाने के बावजूद सोमवार सुबह ब्लू लाइन, येलो लाइन और रेड लाइन पर सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला। राजीव चौक, कश्मीरी गेट, आनंद विहार, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट जैसे इंटरचेंज स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ रहीं। ऑफिस जाने वाले यात्रियों का कहना था कि ट्रेनें पहले से भरी हुई आ रही थीं, जिसके कारण कई बार प्लेटफॉर्म पर लंबा इंतजार करना पड़ा। बसों के बीच अंतराल बढ़ गया है और कई रूटों पर जरूरत के मुकाबले कम बसें चल रही हैं।

21 से 23 मई तक ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल, बाजारों पर पड़ेगा असर, डिलीवरी सेवाएं भी हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी) 21 से 23 मई तक ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल, बाजारों पर पड़ेगा असर, डिलीवरी सेवाएं भी हो सकती हैं प्रभावितराजधानी में 21 से 23 मई तक ट्रांसपोर्टर हड़ताल करेंगे। इस कारण दिल्ली की मंडियों, बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों में सामान की आवाजाही धीमी पड़ सकती है।राजधानी में 21 से 23 मई तक ट्रांसपोर्टर हड़ताल करेंगे। इस कारण दिल्ली की मंडियों, बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों में सामान की आवाजाही धीमी पड़ सकती है। ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़े संगठनों का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत और परिवहन क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कई बार सरकार के सामने मांगें रखी गईं, लेकिन अब तक समाधान नहीं निकला। इसी कारण आंदोलन का

फैसला लिया गया है। व्यापारियों का कहना है कि अगर ट्रकों की आवाजाही रुकी तो खुदरा बाजारों में सामान देर से पहुंचेगा। इसका असर कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। गर्मी के मौसम में फल और हरी सब्जियों की मांग अधिक रहती है, ऐसे में सप्लाई प्रभावित होने पर लोगों को महंगे दाम चुकाने पड़ सकते हैं। कई दुकानदारों ने पहले से अतिरिक्त स्टॉक रखने की तैयारी शुरू कर दी है। ऑनलाइन डिलीवरी सेवाएं भी हो सकती हैं प्रभावितहड़ताल का असर ई कॉमर्स और ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं पर भी पड़ सकता है। दिल्ली में रोजाना हजारों पार्सल और घरेलू सामा ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के जरिए अलग-अलग गोदामों तक पहुंचते हैं। अगर मालवाहक वाहन कम चले तो डिलीवरी में देरी हो सकती है। कई कंपनियां वैकल्पिक व्यवस्था बनाने की तैयारी में जुटी हैं ताकि ग्राहकों को कम से कम परेशानी हो। थोक और खुदरा बाजारों में कारोबार करने वाले व्यापारियों ने हड़ताल को लेकर चिंता जताई है। सदर बाजार, चांदनी चौक, गांधी नगर और करोल बाग जैसे बड़े बाजारों में रोजाना बड़ी मात्रा में माल ट्रकों से पहुंचता है। यूनियनों की मुख्य मांगेंऑल इंडिया मोटर्स एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने बताया कि ट्रांसपोर्ट यूनियनों की मुख्य मांगों में दिल्ली आने वाले सभी मालवाहक वाहनों पर गया

बच्चों की आंखों को हर 20 मिनट बाद दें 20 सेकेंड का आराम, स्क्रीन टाइम नियंत्रित करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी) बच्चों में तेजी से बढ़ रहे मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) के मामलों को देखते हुए ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी ने इसके बचाव और प्रबंधन को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बच्चों में तेजी से बढ़ रहे मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) के मामलों को देखते हुए ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी ने इसके बचाव और प्रबंधन को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विशेषज्ञों ने बच्चों की आंखों पर बढ़ते तनाव को कम करने के लिए नियमित नेत्र परीक्षण, स्क्रीन टाइम नियंत्रित करने और बाहरी गतिविधियों को बढ़ावा देने की सलाह दी है। दिशा-निर्देशों में 20-20-20 नियम के महत्व पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अनुसार बच्चों को हर 20 मिनट बाद 20 सेकेंड का ब्रेक लेना चाहिए और कम से कम 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे आंखों पर

पड़ने वाला तनाव कम होता है और लंबे समय तक स्क्रीन या किताबों पर ध्यान केंद्रित करने से होने वाली समस्याओं से बचाव संभव है। विश्व मायोपिया सप्ताह 2026 के तहत अस्पतालों में जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। सोसाइटी के अध्यक्ष और एम्स आरपी सेंटर के पूर्व प्रमुख डॉ. जीवन सिंह तितियाल ने कहा कि बचपन में होने वाला मायोपिया अब केवल कम उम्र में चश्मा लगने तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि यह भविष्य में आंखों के लिए गंभीर जोखिम बन सकता है। अधिक मायोपिया आंखों की संरचना को स्थायी रूप से प्रभावित कर रेटिनल डिटैचमेंट, ग्लूकोमा, मोतियाबिंद और स्थायी दृष्टि हानि जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ा सकता है। चिंता की बात यह है कि कई बच्चे धुंधली दृष्टि की शिकायत नहीं करते, क्योंकि उन्हें सामान्य दृष्टि का अनुभव ही नहीं होता। ऐसे में अभिभावकों, शिक्षकों और देखभाल करने वालों को बच्चों के व्यवहार पर नजर रखनी चाहिए। आउटडोर गतिविधियों को बढ़ावा।

HC में 96 घंटे के भीतर दो अहम सुनवाई: एक अरविंद केजरीवाल से जुड़ा, जबकि दूसरा एक्साइज पॉलिसी मामले से संबंधित

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली उच्च न्यायालय में अगले 96 घंटों के भीतर दो महत्वपूर्ण सुनवाई होने जा रही है, जिन पर राजनीतिक और कानूनी हलकों की नजरें टिकी हैं। इनमें एक मामला आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं से जुड़ा है, जबकि दूसरा एक्साइज पॉलिसी मामले से संबंधित है।आबकारी घोटाला: केजरीवाल-सिसोदिया समेत अअढ नेताओं को हाईकोर्ट का अवमानना नोटिस, चार हफ्तों में मांगा जवाबदिल्ली-एनसीआरआबकारी घोटाला मामला: अब न्यायमूर्ति मनोज जैन करेंगे सुनवाई, जज स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को किया था अलगदिल्ली-एनसीआरपहले मामले में अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई आपराधिक अवमानना याचिका पर सुनवाई होगी। यह मामला सोशल मीडिया पर न्यायपालिका को कथित रूप से बदनाम करने वाले पोस्ट और बयानों से जुड़ा है। इस पर दो न्यायाधीशों की खंडपीठ सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने यह कार्यवाही शुरू की थी। मंगलवार को सूचीबद्ध इस मामले में राज्यसभा सांसद संजय सिंह, विधायक सौरभ भारद्वाज सहित अन्य आप नेताओं के नाम भी शामिल हैं।दूसरी ओर, न्यायमूर्ति मनोज जैन एक्साइज पॉलिसी मामले में सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करेंगे। सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत 23 को आरोपमुक्त किया गया था। यह मामला पहले न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष था, लेकिन उन्होंने इसे मुख्य न्यायाधीश के पास नई पीठ के गठन के लिए भेज दिया।कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, दोनों मामलों की सुनवाई आगे की कानूनी प्रक्रिया और संबंधित पक्षों की स्थिति पर असर डाल सकती है। खासतौर पर अवमानना मामले में अदालत की टिप्पणियां और आदेश महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

एक्सीडेंट के बाद अजय देवगन ने दिया था महिमा चौधरी का साथ...

बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी साल 1999 में हुए अपने साथ के हादसे को आज भी भूला नहीं पाई हैं। इस हादसे से जुड़े वाकये को वह अक्सर फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार 'द कपिल शर्मा' शो में एक्टर अजय देवगन को अपना सबसे ज्यादा ख्याल रखने वाला को-स्टार बताया है। महिमा के अनुसार, फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग के दौरान हुए भीषण एक्सीडेंट के समय अजय देवगन ने उनका पूरा साथ दिया था। 'द कपिल शर्मा' शो में महिमा चौधरी ने बताया कि बेंगलुरु में फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और शीशे के कई टुकड़े चेहरे में घुस गए। उस समय अजय देवगन फिल्म के प्रोड्यूसर भी थे।

उन्होंने अजय देवगन को न सिर्फ अच्छा अभिनेता बल्कि एक अच्छा इंसान भी बताया है। महिमा चौधरी ने कहा कि अजय मुझे सही प्लास्टिक सर्जन के पास ले गए। उन्होंने मुझे हिम्मत दी। अगर कोई और प्रोड्यूसर होता तो शायद बस इतना ही कह देता कि जाओ इलाज कराओ लेकिन अजय ने कहा कि तुम्हें प्लास्टिक सर्जन के पास ही जाना चाहिए। महिमा चौधरी ने आगे बताया कि उस समय उन्हें बहुत डर लग रहा था कि अगर उनकी चोटों की खबर फैल गई तो उनका करियर खत्म हो जाएगा। महिमा चौधरी ने अजय देवगन और फिल्म के डायरेक्टर प्रकाश झा से गुजारिश की थी कि वे इस दुर्घटना की खबर किसी को न बताएं। दोनों ने महिमा का पूरा साथ दिया और उनके इलाज में मदद की। सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' से डेब्यू करने वाली महिमा चौधरी साल 1999 में आई फिल्म 'दिल क्या करे' में लीड एक्ट्रेस के रूप में नजर आई थीं। फिल्म में महिमा के साथ अजय देवगन, काजोल और चंद्रचूड़ सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में थे। 'दिल क्या करे' फिल्म का निर्देशन प्रकाश झा ने किया और निर्माण वीरू देवगन व वीणा देवगन ने किया था।

मसाला फिल्मों से ऊब चुकी हैं सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने करियर में हर तरह के रोल निभाए हैं। लेकिन करियर की शुरुआत में वह सिर्फ रोमांटिक रोल ही निभा रही थीं। अब एक्ट्रेस ने अपने काम करने का तरीका बदल लिया है, अब वह वही रोल करेंगी, जो उन्हें बतौर एक्ट्रेस संतुष्ट करेंगे। सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सिस्टम' को लेकर बिजी हैं। उनकी ये फिल्म 22 मई को ओटीटी पर दस्तक देने आ रही है। इस फिल्म से एक्ट्रेस ने अपने काम करने का तरीका बदल दिया है। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अपने करियर, पुराने किरदारों और बदलती पसंद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि 'आर. राजकुमार' और 'राउडी राठौर' जैसी फिल्मों में काम करना उनके लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। उस वक्त दर्शक उन्हें इसी अंदाज में देखना पसंद करते थे। सोनाक्षी के मुताबिक, अब वह अपने करियर के ऐसे पड़ाव पर हैं, जहां सिर्फ वही काम करना चाहती हैं जो उन्हें अंदर से संतुष्टि दे। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी एक्ट्रेस के तौर पर देखें, जो हर तरह के किरदार आसानी से निभा सकें।

रिश्ते में बेवफाई पर बोलीं रकुल प्रीत सिंह

हाल ही में जैकी भगनानी ने रकुल प्रीत सिंह के साथ अपनी शादी को "सिचुएशनशिप" बताया था जिसके बाद इंटरनेट पर हलचल मच गई। वहीं अब पति पत्नी और वो दो एक्ट्रेस रकुल ने भी बेवफाई के मुद्दे पर बात की है। रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि एक बार की 'गलती' को कभी-कभी माफ किया जा सकता है।

बता दें कि हाल ही में, रकुल ने सारा अली खान और आयुष्मान खुराना के साथ पति पत्नी और वो दो के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने बेवफाई के मुद्दे पर चर्चा की। वहीं जब रकुल से पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना जस्टिफाई हो सकता है, तो उन्होंने तुरंत 'नहीं' में जवाब दिया। इस पर सारा ने बीच में दखल देते हुए कहा कि कम से कम "माफी तो मांगनी चाहिए, लेकिन यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है।" रकुल ने इस बात से सहमति जताई। इसके बाद रकुल ने कहा, "यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि बेवफाई किस हद तक हुई है... किस हद तक? अगर धोखा देना आदत बन गई है..." रकुल अपनी बात पूरी कर पातीं उससे पहले सारा ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और पूछा कि क्या एक बार धोखा देना जायज़ माना जा सकता है? रकुल ने कहा कि उन्हें यह जायज़ नहीं लगता।

पहली पसंद नहीं थीं नुसरत भरूचा, फिर भी 'प्यार का पंचनामा' से छा गईं एक्ट्रेस...

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। एक्ट्रेस आज अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला, तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरूचा ने अपनी पढ़ाई मुंबई में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरूआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। नुसरत भरूचा टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया। साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी।

नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे।

सेवन हिल्स अस्पताल को फिर से निजी कंपनी को सौंपने की तैयारी... 30+30 वर्ष के नए करार का प्रस्ताव

मुंबई : बीएमसी द्वारा पीपीपी मॉडल पर विकसित अंधेरी पूर्व, मरोळ स्थित सेवन हिल्स हॉस्पिटल को लेकर फिर बड़ा फैसला लिया गया है। अस्पताल को निजी प्रबंधन से वापस लेने की प्रक्रिया चल रही थी लेकिन अब इसे दोबारा उसी समूह को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए 30 वर्ष तथा उसके बाद अतिरिक्त 30 वर्ष के लिए नए भाड़े करार का संशोधित प्रस्ताव सुधार समिति के समक्ष मंजूरी के लिए रखा गया है। बता दें कि साल 2004 में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत मरोळ स्थित बीएमसी के भूखंड पर अस्पताल निर्माण और संचालन का निर्णय लिया गया था। इसके तहत महापालिका की 77,055 वर्ग मीटर जमीन में से 66,687 वर्गमीटर भूभाग तथा उस पर बनी इमारतें सेवन हिल्स हॉस्पिटल लिमिटेड और सोमा इंटरप्रायझेस की संयुक्त कंपनी को ''जैसा है, जहां है'' आधार पर 30 वर्षों के लिए दी गई थीं। साथ ही इसे अगले 30 वर्षों तक बढ़ाने का प्रावधान भी रखा गया था।

वर्ष 2005 में करार हुआ था और 2013 में सामंजस्य समझौता किया गया। लेकिन करार की शर्तों के उल्लंघन के आरोपों के बाद 24 जनवरी 2018 को महापालिका ने कारण बताओ नोटिस जारी किया। इससे पहले 2017 में कंपनी दिवालिया प्रक्रिया में चली गई थी, जिसके कारण महापालिका दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर सकी। सुप्रीम कोर्ट के 2019 के आदेश के बाद महापालिका की मंजूरी के बिना किसी प्रकार का रिजोल्यूशन लागू नहीं किया जा सकता था। कोविड-19 महामारी के दौरान वर्ष 2020 में महापालिका ने अस्पताल को अपने नियंत्रण में लेकर कोविड मरीजों के उपचार के लिए इस्तेमाल किया और उसका संचालन स्वयं किया। 2024-25 के फैसले के बाद अस्पताल को फिर से ढढढ मॉडल पर देने के लिए रुचि प्रस्ताव मंगाए गए। इसमें जुपिटर कंपनी और केप्री ग्लोबल होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। जुपिटर कंपनी ने महापालिका का बकाया माफ करने की मांग की, जबकि कॅप्री ग्लोबल ने 2020 तक के 72 करोड़ रुपये, 2026 तक के 112 करोड़ रुपये संपत्ति कर, 1 करोड़ रुपये जकात कर तथा 39 करोड़ रुपये रखरखाव खर्च सहित कुल 223.4 करोड़ रुपये में से 183 करोड़ रुपये महापालिका को जमा किए। इसके बाद पहले रद्द किए गए 2005 के प्रस्ताव को पुनर्जीवित किया गया और अब उसमें संशोधन कर नया 30 वर्ष का भाड़े करार प्रस्तावित किया गया है।

ओबीसी नॉन-क्रीमीलेयर सीमा 15 लाख करने की सिफारिश

केंद्र भेजा जाएगा 43 नई जातियों को ओबीसी सूची में शामिल करने का प्रस्ताव...

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार की ओबीसी मंत्रिमंडल उपसमिति ने नॉन-क्रीमीलेयर की आय सीमा 8 लाख रुपए से बढ़ाकर 15 लाख रुपए करने की सिफारिश की है। उपसमिति के अध्यक्ष एवं राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि इस विषय पर जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक की जाएगी। मंत्रालय में आयोजित बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार की अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची में शामिल नहीं की गई 43 जातियों का प्रस्ताव राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को भेजा गया है।

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में ओबीसी मंत्रिमंडल की उपसमिति की बैठक हुई। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, वन मंत्री गणेश नाईक, जलापूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल, मृदा एवं जलसंधारण मंत्री संजय राठोड तथा ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जाति सत्यापन समितियों में लंबित मामलों के निपटारे, ओबीसी विद्यार्थियों की शैक्षणिक सुविधाओं, विभिन्न महामंडलों में नियुक्तियों तथा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही निर्देश दिए गए कि जाति प्रमाणपत्र केवल पात्र लोगों को ही दिए जाएं और गलत तरीके से प्रमाणपत्र जारी न हों। सरकार ने यह भी तय किया कि छात्रावासों और कार्यालयों के लिए 10 जिलों में जमीन उपलब्ध कराने के संबंध में अगले सप्ताह जिलाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित लक्ष्मण हाके ने प्रशासनिक त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि स्पेलिंग की गलतियों के कारण राज्य की 27 से 32 जातियां सरकारी लाभ से वंचित हैं।

विदेशी मुद्रा बदलने के नाम पर व्यक्ति से दो लाख रुपए की ठगी!

नवी मुंबई : नवी मुंबई में अमेरिकी डॉलर बदलने के नाम पर धोखाधड़ी कर तीन लोगों ने कथित तौर पर 35 वर्षीय व्यक्ति से दो लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में से एक ने ठाणे जिले के डोंबिवली निवासी पीड़ित से संपर्क किया था और दावा किया कि उसका रिश्तेदार कुछ अमेरिकी डॉलर के नोट बदलना चाहता है। उन्होंने बताया कि 12 मई को आरोपियों ने कलंबोली के एक अस्पताल के पास पीड़ित को रूमाल में लिपटे हुए कुछ बंडल दिखाए, जो अमेरिकी मुद्रा लग रहे थे। पीड़ित ने नोट को असली समझकर दो लाख रुपये नकद दे दिए, इसके बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस के अनुसार पीड़ित को बाद में पता चला कि उसे दिए गए बंडल वास्तव में कागज के रोल और साबुन की टिकिया थे, जिन पर एक डॉलर चिपकाया गया था ताकि वे असली दिखें। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी ।

भायखला चिड़ियाघर के 35 वर्षीय दरियाई घोड़े की मौत

मुंबई : वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय में 35 वर्षीय दरियाई घोड़े 'देवा' की मौत हो गई है। देवा उन गिने-चुने विदेशी जानवरों में शामिल था, जिनका जन्म इसी चिड़ियाघर में वर्ष 1991 में हुआ था। देवा की मौत के बाद अब चिड़ियाघर में केवल तीन दरियाई घोड़े बचे हैं। इनमें उसकी करीब 30 वर्षीय साथी शिल्पा और उनके दो बच्चे गणपत तथा मंगल शामिल हैं। वर्ष 2018 में जन्मा गणपत वर्तमान में सबसे कम उम्र का दरियाई घोड़ा है। देवा की मौत 13 मई को ही हो गई थी जिसकी जानकारी अब सामने आई है। चिड़ियाघर प्रशासन के मुताबिक देवा की मौत उम्र संबंधी कारणों से हुई। अधिकारियों ने बताया कि मौत से पहले उसमें किसी प्रकार की बीमारी या असहजता के लक्षण दिखाई नहीं दिए थे। वह तालाब में था, तभी अचानक गिर पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि शिल्पा की अधिक उम्र को देखते हुए फिलहाल उसके लिए नया साथी लाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सामान्य तौर पर दरियाई घोड़ों की आयु 35 से 40 वर्ष तक मानी जाती है। देवा को चिड़ियाघर परिसर में ही दफनाया गया।

विरार में 10 किलोग्राम गांजा जब्त!

विरार : विरार के H.D.I.L इंडस्ट्री इलाके से ड्रग्स बेचने आए एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 की टीम ने की और कार्रवाई के दौरान 5 लाख रुपए कीमत का 10 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 की टीम विरार ईस्ट के चंदनसर, सागरपाड़ा में H.D.I.L इंडस्ट्री के इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान उन्हें इलाके में एक युवक संदिग्ध हालत में घूमता हुआ दिखा। टीम के दो अधिकारियों ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके पास से 5 लाख 4 हजार 50 रुपए कीमत का 10.081 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया।

घनसोली रेलवे स्टेशन पर ऑटो चालकों की झड़प में युवक की मौत, मामला हत्या में बदला

नवी मुंबई : घनसोली रेलवे स्टेशन के बाहर ऑटो-रिक्शा चालकों के बीच हुई हिंसक झड़प में 18 वर्षीय अयान महबूब शेख की मौत हो गई। इलाज के दौरान गंभीर चोटों के कारण उसकी जान चली गई, जिसके बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। घटना के बाद कोपरखैराने पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे हत्या के अपराध में बदल दिया है। पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज व चश्मदीदों के बयान के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार रात घनसोली रेलवे स्टेशन के ऑटो स्टैंड के बाहर हुई

थी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि विवाद यात्रियों की कतार व्यवस्था को लेकर शुरू हुआ था। आरोप है कि कुछ ऑटो चालक तय लाइन सिस्टम का पालन किए बिना यात्रियों को बैठा रहे थे, जिससे दूसरे चालकों के साथ बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस हिंसक झड़प में बदल गई और स्थिति बेकाबू हो गई। इसी दौरान 18 वर्षीय अयान महबूब शेख गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया है और स्थानीय लोगों ने ऑटो स्टैंड पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने कहा है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और सभी आरोपियों की पहचान की जा रही है। कोपरखैराने पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह साफ हुआ है कि यह झड़प अचानक हुए विवाद का परिणाम थी, लेकिन इसमें शामिल लोगों की भूमिका की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस ने यह भी संकेत दिया है कि जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

मीटर बॉक्स में लगी आग, टला हादसा

भायंदर : भायंदर पश्चिम स्थित मोदी पटेल रोड पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सुबह करीब 9 बजे सड़क किनारे लगे अडानी इलेक्ट्रिसिटी के मीटर बॉक्स में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धुआं फैलने लगा। घटना के समय प्रभाग में मौजूद स्थानीय नगरसेवक पंकज पांडेय (दरोगा ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत अग्निशमन विभाग और अडानी इलेक्ट्रिसिटी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com